/font>

Title: Need to compensate the farmers for the loss of crops and livestock due to heavy hailstorm in Jalesar, Uttar pradesh.

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल (जलेसर) : अध्यक्ष महोदय, 27 जनवरी की रात 12 बजे मेरे क्षेत्र जलेसर के ब्लाक नधौली, मारहरा, जलेसर, अबागढ़, टुण्डला, नारखी के लगभग ढाई सौ गांवों में इतने ओले गिरे जिससे फसलों की सौ प्रतिशत क्षति हुई है। ओलों की संख्या और उनका वज़न का अंदाज़ा आप इस बात से लगा सकते हैं कि लगभग ढाई सौ गाय और भैंसें वहां मरी हैं। उस इलाके में पक्षी और मोर तक मर गए। पांच नीलगाय तक मर गई हैं। आप अंदाज़ा लगाइए कि नीलगाय कितना मज़बूत जानवर होता है, उसके बावजूद भी वे मर गए। गेहूँ, जौ, सरसों, चना, मटर और आलू की सौ प्रतिशत फसलें उससे नट हुई हैं। राज्य सरकार द्वारा कोई मुआवज़ा नहीं दिया गया है। बहुत से गांवों में लेखपाल सर्वे करने तक नहीं गए हैं। फसल बीमा सरकार ने लागू नहीं की है। किसान भुखमरी के कगार पर हैं। यह सर्वविदित है कि पूरे उत्तर प्रदेश में किसान का नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने बताया कि आज़ादी के बाद आज तक इतने बड़े ओले नहीं पड़े। पांच दिन बाद भी इतनी संख्या ओलों की थी। मैं भारत सरकार से निवेदन करता हूँ कि वहां पर सहायता जानी चाहिए और केन्द्रीय जांच करवाई जाए अथवा सांसदों की एक टीम भेजी जाए क्योंकि किसान मरने के कगार पर आ गया है। ढाई सौ गांवों में भूसे, अनाज का एक दाना नहीं है, अनाज की तो बात छोड़िये। भूसे की अगली फसल अप्रैल, मई 2004 में आएगी और चारा मिलेगा। इसलिए वहां पशु-चारे की व्यवस्था की जाए और किसानों को कम से कम 2000 रुपये प्रति बीघा के हिसाब से मुआवज़ा दिया जाए क्योंकि वहां सौ प्रतिशत फसल का नुकसान हुआ है जिसमें गेहूँ, चना, मटर और आलू है। यहां तक कि गुलाब की खेती भी हमारे जलेसर में होती है। स्थिति यह है कि नगला खिल्ली, नगला बंदी, झिनवार, सैंथरा, ककराला, खंगारपुर, कोसमा, बारा समसपुर, मई, सोना, नगना नैनसुख, नगवाई, नगला चांद, क्यार, सिमराऊ आदि गांवों में लोग पलायन करने पर मजबूर हो गए हैं। राज्य सरकार और केन्द्र सरकार द्वारा वहां कोई सहायता प्राप्त नहीं हुई है। भारत सरकार से निवेदन है कि वहां किसानों को मुआवज़ा दें।

MR. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2 p.m.

13.04 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till

Fourteen of the Clock.

14.02 hrs.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at two minutes

past Fourteen of the Clock.

(Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*)

SHRI K. YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Mr. Deputy-Speaker, Sir, please allow one minute each for raising the Matters under Rule 377 instead of laying them on the Table of the House. ...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, नियम 377 के विाय आप सभापटल पर मत रखवाइए, बल्कि हमें उन्हें पढ़ने की अनुमति दीजिए। कल भी ये नहीं हो सके। हम उन्हें पढ़ना चाहते हैं। इसलिए आप हमें पढ़ने की अनुमति प्रदान कीजीए।

SHRI K. YERRANNAIDU : Within ten minutes, we will complete the Matters under Rule 377. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Yerrannaidu, today we have to conclude the debate on the Motion of Thanks on President's Address, and tomorrow the reply will be given. There are as many as 15 Members to speak.

...(*Interruptions*)

SHRI K. YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): There are most important issues. Sir, please allow half a minute each for raising the Matters under Rule 377....(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: All right.

Shri Lal Bihari Tiwari.